61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 641 Participant Code: 114

मुझे जो कहना था

होती है कहानी हर किसी की
मुस्कुराहट, प्यार और दुख की
होती है कहानी हर जीत की
पिछे परसों की मेहनत की

होती है कहानी हर खुशी की
पीछे सालों की दुख की
होती है कहानी हर फूल की
जो खिलते है कांटों से जीत कर

मेरा भी है एक कहानी
मेरे कामयाबी के कहानी
मेरे ज़िंदगी के कहानी
परसो पुराने सपनो के कहानी

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

हर किसी की तरह मुझे भी
करने थे अपने सपने पूरे
मगर उन्हें पूरे करने में थे
अनेक काँटे सामने

कहते थे सब मुझसे
बनो डॉक्टर या अध्यापक
मगर मुझे क्या बनना था
यह तो किसी ने पूछा ही नहीं

बनना चाहता था मैं एक कवि
कलम को तलवार बनाकर
लिखना चाहता था कविताएँ
समाज की भलाई के लिए

जब चाहता था
किसी का साथ
सब ने छोड दिया
मेरा हाथ

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

मगर हार ना मानकर
अपने सपनो को हतियार बनाकर
निकल पड़ा था मैं
उन्हें पूरा करने की इरादों से

ज़िंदगी तो ऐसे ही है
जरूरी नही है कि
जो आज हमारे साथ है
वो कल भी हो...

निकल पड़ा था मैं उस रास्ते में
काँटो से भरा उस सुनसान रास्ते में
जहाँ आखिर में था मंज़िल मेरा
एक कवि बनने का

समसयाओ का हल और
मेहनत का फल हमें मिलता ही है
मुझे भी मिल गया था
अपने मेहनत का फल

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2023 ജനുവരി 3 – 7 കോഴിക്കോട്
61st Kerala School Kalolsavam Kozhikode, Jan.

Item Code: 641 Participant Code: 114

हाँ, मेहनत और लगन के बाद
बन गया मैं एक कवि
अब है मौका मेरे हाथो में
इस दुनिया को सही गलत बताने का

दिखाना है मुझे उन सबको
मुझे बेकार कहने वालों को
क्या मोड़ लिया है
जिंदगी ने मेरा

अब वक्त आ गया है
अपने कविताओ से
इस दुनिया को बताने का.
उन्हे सही रास्ता दिखाने का

कहना है मुझे आप लोगों से
अपनी दिल की सुनो
अगर वो सही है तो
उस रास्ते को अपनाओ

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 641 Participant Code: 114

मेरे ज़िंदगी भी ऐसे ही था
मैंने भी सुना था अपने दिल की बात
मिल गया मुझे आज वो सफलता
जिसका था बरसो का इंतज़ार

कहना तो बहुत है....
इस दुनिया मे जिने के लिए
सबकी सुनो, मगर जो
दिल को सही लगे, वही करो

सफलता पाने की है
अनेक रास्ते
मगर काँटो से भरा होता है
सही रास्ते

क्योंकि .. काटे ही तो
फूलों की हिफाज़त करते है
वही काँटो की मदद से ही
कली फूल में बदलते है

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

मुझे जो कहना था .....
हर सफलता में होते हैं काँटे
जो उसे पार करता है
वही लोग ही हो पाते हैं कामयाब

इतनी सी है यह ज़िंदगी
इसे बर्बाद मत करो
अपने सफलता की चाबी से
पिंजरा खोलकर, खुशी से जियो

अपने सफलता की कहानी को लेकर
दुनिया को सही गलत बताने
आ रहा हूँ मैं, एक कविता लेकर
"मुझे जो कहना था"

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)